ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन डिसंबर २०१०

Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

परमेश्वर के उस आशिर्वादित भूमि द्वारा आमंत्रणः

क्या आप उस भूमि मे प्रवेश करने के लिए उत्सुक हो ?

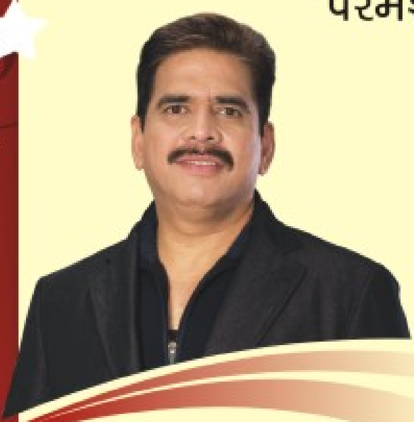

अब हम इस सिद्धता के साल के आखरी महीने मे है। जहाँ बहुत सी छँटाई हुई है। बहुत से लोग आये और बहुत से चले गये। क्यों? क्योंकि नये को आने के लिए पुराने को जाना पड़ता है।

लोग धर्म मे सिद्धता को खोजते है। जब कि सि्द्धता हम मनुष्यों मे समाई होती है, क्योंकि हम परमेश्वर से आये है, परमेश्वर के है, और लौटकर उन्हीं के पास जाना है। हर एक इंसान अपने ही तरीकों से चीजें करना चाहता है, और इसी कारण यह सिद्धता हम मे प्रकट नहीं होती है।

इसी लिए मैने शुद्धिकरण की सभाए शुरु की है। ताकि हमारे पाप और अधार्मिकता धुल जाए और हम परमेश्वर की वाणी को स्पष्ट रुपसे सुनना शुरु करें।

अगर आप परमेश्वर की वाणी को सुनना चाहते हो तो, प्रथम आपको शांत रहना सिखना होगा। हर एक चीज जो इस धरती पर है, चाहे तो वह एक छोटी सी चींटी ही क्यों न हो, जो हमारे पास से गुजरती है, हम मनुष्यों पर किसी न किसी तरह से प्रभाव करती है। इसी तरह जिस किसी मनुष्य को हम देखते, मिलते, बात करते है, जिनके प्रति लालसा रखते है या फिर जिनसे हम प्यार करते है, यह लोग भी हमारे जीवन पर किसी न किसी तरह प्रभाव करते है। तो आपको हमेशा सतर्क रहना है कि आप कहाँ जाते हो और आपकी संगठी के लिए आप किसे चुनते हो।

इन दिनो सभी लोग फिल्मी सितारों की तरह सवरना और उन्हीं की तरह दिखना चाहते है। वे आज के नये जमाने के फैशन के कपड़े पहनना पसंद करते है। लेकिन कोई भी धार्मिकता और दया के वस्त्र पहनने में दिलचस्पी ही नहीं रखता – वस्त्र जो लहू के है – जो हमारी खातिर, सूली पर, हमारे उद्धार के लिए उपलब्ध करवाए गए है।

याकूब की किताब १:१७ कहती है कि, "हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से आता है, और ज्योतियों के पिता के ओर से मिलता है, जिसमें न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, और न अदल बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है।" तो हम मे से कितने लोग ऐसे अपनी जड़ समाए सिद्धता से अटल रह सकते है? और कितने लोग यह कह सकते है कि, मै यहाँ से हटूंगा नहीं, फिर चाहे जो हो जाए, मै यहीं जड़ समाए ड़टा रहूँगा जहा परमेश्वरने मुझे स्थापित किया है?

परमेश्वर के अगुआई के बगैर कोई भी कदम न उठाना।

परमेश्वर से आगे न चलना। गलत दिशा मे न बढ़ना। शैतान आपको आपके स्थान से हटाना चाहता है। वह आपको ऐसी परछाईयों में गुमराह करना चाहता है, जहाँ वो आप पर आसानीसे हमला कर सके। लेकिन परमेश्वर कभी नहीं बदलते, और उनकी योजना जो हमारे लिए है, वह उससे भी बेहतरीन और बढ़ियाँ है, जो हम खुद के लिए करते है। तो सारी चीजों से बाहर निकलो, जैसे आपकी धार्मिक मनोस्थिति, आपकी कमजोरियाँ, आपके गुप्त दोष। इन सबसे बाहर निकल आओ और परमेश्वर मे समा जाओ। अपने आपको शुद्ध करना शुरु करो। क्योंकि सिद्धता का यह साल अब तक खत्म नहीं हुआ है।

वादे की भूमि पर पहुँचने के लिए इस्त्राएलियों को 40 साल लगे – खास कर उनके बड़बडाने और उपद्रव की वृत्ती के कारण। कभी कभी वे स्पष्टरुप से आगे बढ़ने से इनकार करते थे। इसके बावजूद परमेश्वर उन्हें वादे के उस भूमि पर ले आए जिसे देने का वादा उन्होंने उनसे किया था।

तो आपको वादे की उस जमीन पर पहुँचने के लिए कितना समय लगेगा? क्या आप भी पूरे रास्ते मरमराओग और बड़बडाओगे जिससे आप खुद के और दुसरों के लिए चीजें मुश्किल करोगे। या फिर आप स्वयं के खिलाफ काम करना बंद करोगे, और परमेश्वर मे विश्वास करना शुरु करोगे और एक नेक, सहनशील तथा परमेश्वर के प्रति एहसानमंद रहोगे कि उन्होंने आपको बचाने का कष्ट उठाया और हर समय आपकी रक्षा करते है।

चुनाव आपका है!

मै प्रार्थना करता हूँ कि प्रभू येशू की पवित्र आत्मा आपके हृदय मे समा जाए और यह नाताल (ख्रिस्मस) आपके घर में ढ़ेर सारी खुशीयाँ लाये।

परमेश्वर आपको आशिर्वादित करें।

– ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

CHRISTMAS MAZE

HELP THE WISE MEN FIND THE MANGER.

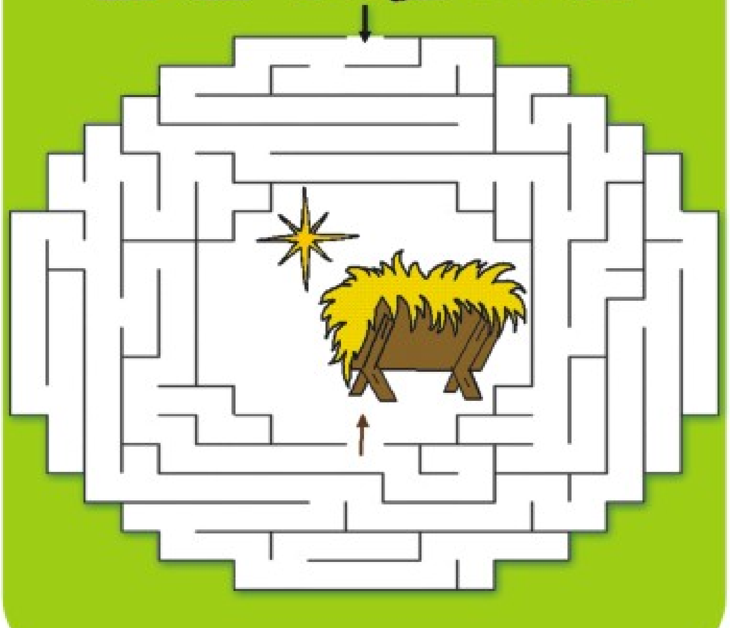

CHRISTMAS CROSSWORD

Word List
angel
candle
candycane
present
santa
star

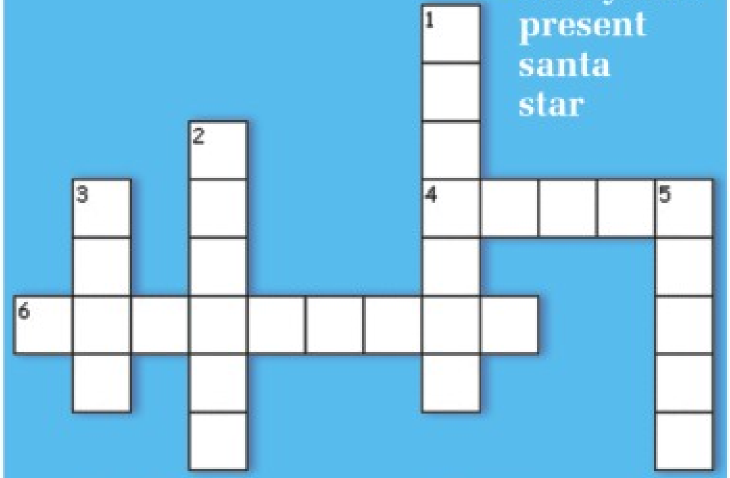

ACROSS

4

6

1

DOWN

2

3

5

NATIVITY WORD SEARCH

C	A	N	O	I	T	A	V	L	A	S	D	N	S	H	S
Q	S	H	E	P	H	E	R	D	S	R	F	A	L	L	U
R	A	T	S	A	M	T	S	I	R	H	C	T	E	J	S
N	E	M	E	S	I	W	S	H	E	E	P	I	G	O	E
J	G	N	I	K	M	A	R	Y	G	I	U	V	N	S	J
M	O	S	Y	I	H	X	Q	U	R	Q	W	I	A	E	T
D	O	N	K	E	Y	R	E	G	N	A	M	T	D	P	M
Z	I	L	I	N	N	K	E	E	P	E	R	Y	O	H	F

angels
Christmas
donkey
innkeeper
Jesus
Joseph
king
manger
Mary
nativity
salvation
sheep
shepherds
star
wisemen

पवित्र !
सबसे अलग....हट के!!!

अगर आप 'पवित्रता' का मतलब 'होली जो' के जैसे जीवन व्यतित करना समझते हो तो यह आपकी भूल है। वास्तविक्ता में "पवित्रता" का मतलब है, इस संसार की रीति से पूर्णतः "अलग किए जाना"।

परमेश्वर का विस्तारीत अनुग्रह जो हमे २१वी सदी के दुसरे दशक में लेआया है, तो इसका श्रेय आप उनकी दया को नहीं तो और किसे देंगे, जो नहीं चाहता कि किसी का भी नाश हो बल्कि चाहता है, कि सब भरपुर्ता में जीवन को पाये?

सालों साल से यह दुनिया इस नाताल के त्योहार को मनाते आ रहीं है। लेकिन हम में से कितने लोग नाताल (खिस्मस) को अन्य त्योहार जैसे दिवाली, इद या फिर नया साल के समान मानते है?

परमेश्वर का पुर्ण दैवित्व येशू में समाया हुआ है और वह अदृश्य परमेश्वर की प्रतिमा है। इन्सान के सिमीत बुद्धि को यह समझना बहुत ही कठिन है कि विश्व की सारी शक्ति येशू मसीह के देह मे है, सिवाय पवित्र आत्मा के!

हँसी मजाक करने वाले कहेंगे कि, "उसके आने की प्रतिज्ञा कहाँ गई? क्योंकि जब से बापदादे मर गए हैं, सब कुछ वैसा ही है जैसा सृष्टि के आरंभ से था?" (२ पतरस ३:४)

"प्रभू के यहाँ एक दिन हजार वर्ष के बराबर है, और हजार वर्ष एक दिन के बराबर है। प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कुछ लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले।" (२ पतरस ३:८-९)

हमारे परमेश्वर कितने करुणामय है, लेकिन हम इस करुणा का क्या कर रहे है?

"क्योंकि अब बहुत ही थोड़ा समय रह गया है, जब कि आनेवाला आएगा और देर न करेगा। पर मेरे नेक लोग विश्वास से जीवित रहेंगे, और यदि वह पीछे हट जाए तो मेरा मन उस से प्रसन्न न होगा। पर हम हटनेवाले नहीं कि नाश हो जाएँ पर विश्वास करनेवाले हैं कि प्राणों को बचाएँ।" (इब्रानियों १०:३७-३९)।

१.पश्चाताप

२.विश्वास के द्वारा जीयो

३.पिछे न हटना

४.विश्वास करो और नष्ट होने से बचो

तो इस नाताल (खिस्मस) मे, हम अपने आपको परिवर्तित करेंगे अपने मनों को नया बनाएंगे जैसे हम दिन रात वचन पर मनन कर रहे है, यही वचन है जो आदि में था, यही वचन है जो परमेश्वर के साथ था; और यही वचन है जो परमेश्वर था। और यह वचन प्रभु **येशू** मसीह है, जो देहधारी हुआ और हमारे बिच निवास करने लगा। तो आओ हम **येशू** में उत्सव मनाए!

आप सभी को पवित्र नाताल (खिस्मस) की शुभ कामनाएँ।

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

चिंताग्रस्त न बनो।

भाग 1 : फिक्र

मै मसीह मे सब कुछ कर सकता हूँ जो मुझे सामर्थ्य देता है (फिलिप्पियों ४:१३)। बहुत बार लोग अपने आप में आत्मविश्वास खो बैठते है। उन्हें यह लगता है कि वे किसी काम के नहीं और वे अपने जीवन मे कुछ भी हासिल नहीं कर सकते। याद रखो कि शैतान झूठा है और वह सारे झूठों का पिता है।

कुछ लोग सारी चीजों की फिक्र करते रहते है। तो ऐसे लोगों के लिए परमेश्वरने क्या बटौर रखा है, आओ उसपर ध्यान दे। जो लोग ज्यादा फिक्र करते है, वे आसानी से शैतान के चंगुल (जाल) मे फँस जाते है। और उन्हें केवल परमेश्वर के वचनों के द्वारा ही आजाद किया जा सकता है।

फिक्र करने से कोई भी काम संपूर्ण नहीं हो सकता।

मैं आपके बारे में तो नहीं जानता लेकिन इन दिनों मेरे पास व्यंथ गवाने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं है। और फिक्र करना मतलब अपना कीमती वक्त बरबाद करना होता है। फिक्र ना तो आपकी समस्या को सुलझा सकती है और नाही उसका हल निकालने में आपकी कोई मदद कर सकती है, तो क्यों आप अपने समय और शक्ति को बरबाद करते हो?

परमेश्वर का वचन कहता हैः तुम में कौन है, जो फिक्र करके अपनी आयु में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है? "और वस्त्र के लिए क्यों फिक्र करना? जंगली सोसनों पर ध्यान करो कि वे कैसे बढ़ते हैं; वे न तो परिश्रम करते, न काटते हैं। सुलैमान भी, अपने सारे वैभव में इनमें से किसी के समान वस्त्र पहिने हुए न था। (मत्ती ६:२७-२९)

फिक्र करना आपके लिए हानिकाकर है।

फिक्र हमारे जीवन में अनेक तरीकों से विनाश ला सकती है। यह एक मानसिक बोझ बनती है और हमे शारीरिक रुप से बीमार भी कर सकती है।

फिक्र इंसान को तोडकर रखती है (नीतिवचन १२:२५)।

फिक्र करना यानी परमेश्वर में भरोसा करने के विरुद्ध है।

जो शक्ति हम फिक्र करने में व्यंथ गवाते है, उसे हम उत्तम तरीके से प्रार्थना करने में इस्तमाल कर सकते है। यह छोटासा नुस्खा आपको याद रखने के लिए: फिक्र को आप प्रार्थना से प्रतिस्थापन करो तो वह भरोसे के समतुल्य होता है।

अगर परमेश्वर मैदान की घास को, जो आज है और कल भाड़ में झोंकी जाती है, उन्हें इतने बढ़ीया वस्त्र पहनाता है, तो आपकी परवाह तो वे निश्चित रुपसे करेंगे। लेकिन आपका विश्वास इतना थोड़ा क्यों है? (मत्ती ६:३०)

अगर आप केवल यह याद रखे कि प्रभू येशू आपसे प्यार करते है तो शैतान यह फिक्र के हथियार को आपके रुह का नाश करने के लिए कभी इस्तमाल नहीं कर पाएगा। परमेश्वर के वचनों को पढ़ो और आशिर्वादित हो जाओ। आमीन।

— संपादकीय डेस्क

सफलता की कुँजी

परमेश्वर के ७ नियम

कृपया ध्यान में रखना, परमेश्वरने यह नहीं कहा कि, "हम करेंगे" बल्की वे बोले "उन्हें करने दो"। और इन्ही वाक्यों का विवरण करके परमेश्वरने ७ प्राथमिक नियम बनाये।

- नियम के अनुसार केवल मनुष्य को ही पुरी पृथ्वी पर प्रभूता करने का हक दिया गया।
- इस संसार पर कानूनी प्रभूत्वता करने के हक में परमेश्वरने अपने आपको भी शामिल नहीं किया।
- मानव इस धरती की भूसंपति का प्रबंधक बना।
- मानव यह एक देहधारी आत्मा है, इसी कारण केवल देहधारी आत्मा ही धरती के राज्य की कानूनी व्यवस्था चला सकती है।
- और बिना देह की आत्मा को इस धरती पर अवैध (इलीगल) माना जाता है।
- अलौकिक क्षेत्र का कोई भी प्रभाव या हस्तक्षेप केवल मानवजाति के जरिए ही कानूनी माना जाता है।
- परमेश्वरने स्वयं, को भी जो एक बिना देह की आत्मा है, इन नियमों का तत्व (पात्र) बनाया है।

परमेश्वर द्वारा बनाए गए इन नियमों के अंजाम इस प्रकार है।

- धरती पर के सारे कानूनी अधिकार मनुष्यजाति के हाथों में सौंपे गये है।
- रचैकर्ता, अपनी अखंडता के कारण, अपने ही वचन के नियमों को खारिज नहीं कर सकते।
- मनुष्य जो इस धरती के कानूनी व्यवस्था का प्राधिकारी है, तो उसके सक्रिय अथवा निष्क्रिय अनुमति के बिना इस धरती के राज्य में कोई भी बदल नहीं हो सकता।
- स्वयं रचैकर्ता और स्वर्गीय राज्य की कोई भी शक्ति धरती के राज्य में, मानवजाति के सहयोग और अनुमति के बिना दखल नहीं दे सकते।
- अगर परमेश्वर को इस धरती पर कुछ कार्य करने की इच्छा हो जाए तो उन्हें भी इन्सान के सहयोग ओर रजामंदी की जरुरत होती है।

परमेश्वर आपको आशिर्वादित करें।

— संपादकीय डेस्क

एक जो हमारे लिए खास मायने रखता है।

नाताल (ख्रिस्मस) के एक सप्ताह पहले, एक पिता अपने काम से घर देर से पहुँचा। और जैसे ही उसने घर का दरवाजा खोला तो अपने पॉंच वर्षीय बेटे को अपना इंतजार करते हुए पाया।

"पिताजी, क्या मै आपसे एक सवाल पूछ सकता हूँ?"

"हाँ! क्या सवाल पूछँना चाहते हो?" पिताने कहा।

"पिताजी, आप एक घंटे मे कितना कमाते हो?"

"यह जानना तुम्हारा काम नहीं;" पिताने नाराज होकर कहा।

"गुस्सा न होना पिताजी मै तो केवल आपसे यह बताने की गुजारिश कर रहा था कि आप प्रति घण्टा कितना कमाते हो, पिताजी कृपया करके मुझे बताइए?" बेटेने पिता से याचना की।

"ठीक है, अगर तुम इतना आग्रह कर रहे हो तो। मैं प्रति घण्टा ७० रुपये कमाता हूँ," पिताने उत्तर दिया।

"अरे!" कहते हुए बेटेने अपना सिर नीचे झुकाया। फिर, घबराते हुए उसने उपर देखा और पिता से पूछने लगा "पिताजी, क्या मै आपसे ३० रुपये माँग सकता हूँ?"

पिता को और भी गुस्सा आया। "अगर तुमने मुझसे वह प्रश्न इस वजह से पूछा ताकि तुम मुझसे पैसे माँग सको, जिससे तुम अपने लिए कोई खिलौना खरीद सको, तो मेरा जवाब है, नहीं। अब जाकर सो जाओ।"

उदास होकर वह बच्चा वहाँ से चला गया।

लगभग एक घण्टे बाद, पिता का गुस्सा शांत हो गया। वह अपने बेटे के पास गया और उससे बोला,"मुझे माफ कर दो। मै थका हुआ था, और अपना सारा गुससा तुमपर निकाल बैठा। ये लो ३० रुपये जो तुमने माँगे थे।"

हसते हुए वह लड़का खड़ा हो गया। "अरे वाह! धन्यवाद पिताजी", वह बोला।

फिर, उसने अपने तकिये के नीचे हाथ डालते हुए कुछ चुरे हुए नोटों और सिक्कों को बाहर निकाला। पिताने देखा की पैसे होने के बावजूद उसने और पैसे माँगे तो वह और भी क्रोधित हुआ। वह छोटा बच्चा धीरे से पैसे गिनने लगा जो उसके पास थे, और फिर अपने पिता को उसने अपनी बड़ी भूरी आँखो से देखा।

"तुम्हारे पास पैसे होते हुए भी तुम्हें और पैसे क्यों चाहिए थे?" पिता बड़बडाने लगा।

"क्योंकि जितने मेरे पास थे वह बस नही थे, लेकिन अब मेरे पास काफी है।" फिर वह बोला "पिताजी अब मेरे पास ७० रुपये है। तो क्या मै इससे आपका एक घण्टा खरीद सकता हूँ? मेरी बिंती है कि आप नाताल की शाम घर जल्दी लौट आये ताकि मै आपके साथ रात का भोजन कर सकू।"

यह सूनते ही पिता का दिल पिघल गया। उसने अपने बेटे को अपने बाँहों मे भर लिया और उससे क्षमा माँगने लगा।

कहानी की सीख: हाँ, जीवन कितना ही व्यस्त क्यों न हो, लेकिन हमे इस समय को हाथों से फिसलने नही देना है, जब तक हम इसके कुछ खूबसूरत लम्हें उनके साथ नहीं बिताते जो हमारे लिए खास मायने रखते है।

तेज प्रकाश का आधार जो अग्नि है जब आपके भीतर हमेशा जलती है, तो नाताल और अच्छाई का यह मौसम कभी भी खत्म नहीं हो सकता। परमेश्वर आपको आशिर्वादित करें।

– संपादकीय डेस्क

बिछड़ना और मिलना

पुर्व प्रान्त ज्यादातर बुद्धिमान लोगों के कारण जाना जाता है। पुर्व प्रान्त के तीन बुद्धिमान लोग इकट्ठा होकर उस बालक की खोज मे निकल पड़े, जो यहुदीयों के राजा के रुप में जन्म लेने वाला था। वे खोज रहें थे और उस तारे को पाया और उसका अनुसरण करने लगे जो उस बालक के जन्म स्थान की निशानी था। वे यरुशलेम पहुँचे और उन्होंने दुनिया के तौर तरीकों का इस्तेमाल किया। राजमहल के पास पुछताछ के बाद वे अपना मार्ग खो बैठे थे। लेकिन मार्गदर्शक तारें को ढुढ़ने के पश्चात ही वे "उद्धारक ईसा मसीह" को ढुँढ पाये और फिर अपने देश वापस लौटे। वे खो गये थे फिर भी उन्होंने अपना "मार्ग" जो उनका मकसद और लक्ष था उसे पाया।

किसी भी चीज की दूरी, आखिर,
होती है खोज से पूरी।
अपनों की दूरी,
होती है किसी के भरने से पुरी,
या फिर, होती है शोक से पुरी।
वक्त की दूरी, न होती पुरी,
फिर भी, वक्त मे वक्त निकालकर,
हो सकती है पुरी।
गुस्से का दम, होता नही कम, तबतक,
जबतक, देखते नही हम
फटती हुई नसें और अर्धमरें हम।
सेहद की कीमत पर दौलत का झोल,
पाते है बदले मे इसके
कमरपट्टे के उपर बड़ासा ढोल।
जब खुद को, खुद से खोता हूँ मै,
"चरवाह" का स्मरण करता हूँ मै,
"वचनों से उसके, सही रास्ते पर, आता हूँ मै।
यह कोई मजाक नही है।
संपन्न जीवनता के लिए पढ़िए (यून्ना १०)।
केवल उसके वचनों पर निर्भर रहो, हम उसकी छत्र छाया में
अच्छी जिंदगी गुजार सकते है।
मुझे विश्वास है कि मैं जीव लोक में प्रभु की भलाई का दर्शन करुंगा।
(भजन संहिता २७:१३)।

–बेनेड़िक्ट वीवियन फर्नान्डिस

गवाहियाँ

मेरी भाभी को कैंसर हुआ था, इस बात का पता चलने के बाद मेरी बहन ने परमेश्वर से प्रार्थना की कि 'मेरी भाभी को कैंसर से जल्द चंगाई मिले और यह रोग मुझे हो जाए।' कुछ सालों बाद हमे यह पता चला कि मेरी बहन को भी कैंसर का रोग हुआ है। लेकिन भाई मैन्युएल की सेवकाई में आने के बाद, अब वह बिल्कुल ठीक हो गयी है। और संयोग से मेरे पति जो १४ साल से गले मे लकवे से पीड़ित थे, वे भी इसी सेवकाई में आकर चंगे हो गये। मैं अपने पति को अनेक जगहों पर ले गयी थी, जैसे बहुत से डॉक्टरों के पास, बाबाओं के पास, दरगाहों में – लेकिन उन्होंने अपनी चंगाई को यहाँ आकर पाया। वे अपनी खुद की थूक को भी निगल नहीं पाते थे, लेकिन जब भाई मैन्युएलने उन्हें केक का तुकड़ा दिया और मेरे पतिने उसे बिना संकोच किये खाया, उसी समय तुरंत चंगाई मिल गई। यहाँ आने के बाद हमारे जीवन और परिवार में बहुत से चमत्कार हुए है। मै परमेश्वर को उनकी करुणा के लिए धन्यवाद देती हूँ और यह प्रार्थना करती हूँ कि मै और मेरा परिवार हमेशा हमारे चरवाह भाई मैन्युएल के साथ अंत तक एकजुट रहें।

–शशि सलुजा

मैं पुणे में रहती हुँ। हाली में मैंने भाई मैन्युएल का "लिव इन द स्पिरिट" कार्यक्रम जो बालाजी केबल्स पर प्रसारित होता है उसे देखना शुरु किया, मेरे एक मित्रने मुझे इस कार्यक्रम के बारे मे बताया था। हाला कि मै अख्रिस्ति परिवार से होने के कारण मुझे सारी बाते समझ मे नहीं आती लेकिन इसके बावजूद मुझे यह कार्यक्रम देखना पसंद है, खास कर जिस तरीके से भाई मैन्युएल परमेश्वर का वचन बोलते है, वह बहुत ही अच्छा लगता हैं। और प्रसारण के अंत में जब भाई मैन्युएलने प्रार्थना की तब मै भी उनके साथ प्रार्थना करने लगी। पुणे में यह कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए मै आपकी सेवकाई की एहसानमंद हूँ। क्योंकि आपका कार्यक्रम यहाँ बहुतसी जिंदगियों को छू रहा है और उन्हें बदल रहा है। धन्यवाद।

–शिल्पा पवार

नाताल की भेंट आपके लिए।

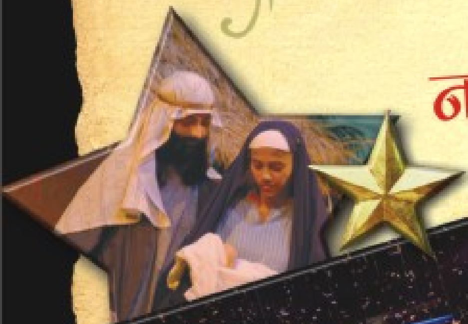

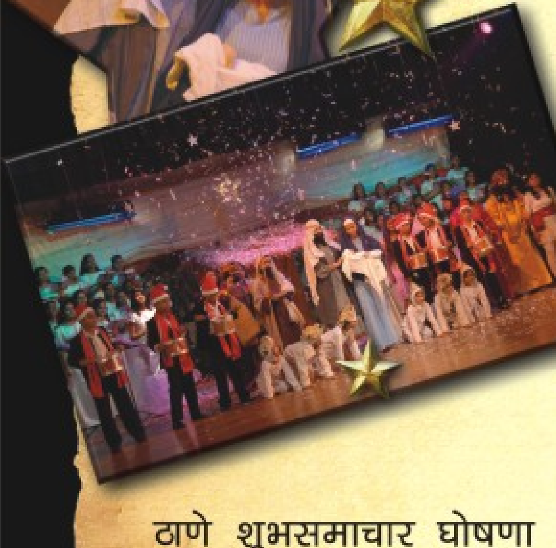

प्रभू में प्यारे भाईयों,

ख्रिस्मस लगबग करीब ही है। यह समय है कि हम एकसात खडे होकर खुशियाँ मनाए। और इसमे आपकी मदद करने के लिए भाई मैन्युएल की सेवकाई कुछ चुनिंदा ख्रिस्मस के गीत प्रस्तुत करेगी, जो ऑडियो, सी. डी. और डी. वी. डी. में उपल्बद होंगे। तो उस मौके को हाथ से जाने न देना। इसे पाने के लिए आज ही अपने नाम को दर्ज करना। परमेश्वर का अभिषेक और उनकी आत्मा जो वे नाताल (ख्रिस्मस) के इस अवसर पर उंढेलेंगे वह आपके दिलों और घरों में बहें।

ठाणे शुभसमाचार घोषणा	ध्यानसभा (रिट्रीट)	गोवा शुभसमाचार घोषणा
जनवरी ३, २०११	जनवरी ७-८, २०११	जनवरी १४-१६, २०११

बुधवार
इंडियन ऐड्युकेशन सोसायटी (I.E.S.)
माणिक सभा ग्रिहा
लिलावती हस्पताल के सामने,
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०, भारत
समयः शाम ५:०० बजे

शुक्रवार
मलाड, मुंबइ.
आगे की जानकारी के लिए
संपर्क करें - ६५००९७०१/०३

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

मुख्यकार्यालय
एस-४, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्ट्स
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लोट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम),
मुंबई-४०००५०, भारत